



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 476]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 1, 2008/भाद्र 10, 1930

No. 476]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 1, 2008/BHADRA 10, 1930

कृषि मंत्रालय

( कृषि और सहकारिता विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2008

सा.का.नि. 628(अ).— कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हमली (बीज वाली) श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 2007 का प्रारूप, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं० सा०का०नि० 268, तारीख 8 दिसम्बर, 2007 द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई गई थीं, पैंतालीस दिन के भीतर सुझाव और आक्षेप मांगे गए थे।

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 8 जनवरी, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थीं। और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर सम्यक् रूप से विचार कर लिया गया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

### नियम

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम इमली (बीज वाली) श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 2008 है ।

(2) ये फलीदार सी, प्रजाति की टैमरींडस इंडिका एल से अभिप्राप्त इमली (बीज वाली) को लागू होंगे ।

(3) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :- इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;
- (ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा कोई व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है, जिसे इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार इमली (बीज वाली) का श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है ;
- (ग) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के उपबंधों के अधीन जारी प्रमाणपत्र अभिप्रेत है, जो किसी व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय को श्रेणी अभिधान चिन्ह से इमली (बीज वाली) का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने का प्राधिकार देता है ;
- (घ) “साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम” से कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 के अधीन बनाए गए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 अभिप्रेत है ;
- (ङ) “अनुसूची ” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी अभिधान चिन्ह :- श्रेणी अभिधान चिन्ह में प्राधिकार प्रमाणपत्र संख्यांक, “एगमार्क” शब्द, वस्तु का नाम और अनुसूची 1 में यथा उपवर्णित के सदृश श्रेणी अभिधान को सम्मिलित करने वाले डिजाइन से मिलकर बना “एगमार्क प्रतीक” होगा ।

4. श्रेणी अभिधान :- इमली (बीज वाली) की गुणवत्ता उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान वह होगा, जो अनुसूची 2 के स्तंभ 1 में वर्णित किया गया है ।

5. गुणवत्ता - इमली (बीज वाली) की गुणवत्ता वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तंभ 2 से 8 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपवर्णित है।

6. पैकिंग की पद्धति.-

- (i) इमली (बीज वाली) को जूट या कपड़े के बने खाद्य श्रेणी सामग्री के उपयुक्त अंतर अस्तर वाले दोस्त, स्वच्छ और शुष्क आधानों, लैमिनेटेड पॉलीथीलिन या पॉली प्रोपिलीन या उच्च सघनता वाले पॉलीथीलिन के थैलों, पाउचों या ऐसे किसी पैकेजिंग सामग्री में ही पैक किया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित हो ;
- (ii) आधान किसी कीट प्रस्तता या फफूंद संदूषण से मुक्त होगा और किसी अवांछनीय या असहनीय गंध से भी मुक्त होगा ;
- (iii) इमली (बीज वाली) को ऐसी रीति में पैक किया जाएगा ताकि उत्पाद की उचित रूप से संरक्षा हो सके। आधान को कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में सुरक्षित रूप से बंद और सीलबंद किया जाएगा ;
- (iv) पैकेज के अंदर प्रयुक्त सामग्रियां, स्वच्छ और ऐसी गुणवत्ता की होनी चाहिए जिससे कि उत्पाद को किसी बाहरी या आंतरिक नुकसान होने से बचाया जा सके ;
- (v) सामग्रियों में विशिष्ट रूप से कागज की या व्यापार विनिर्देशों वाली स्टेम्पों का उपयोग अनुज्ञात किया जाता है बशर्ते कि मुद्रण और लेबल लगाने का कार्य अविषैली स्थाही या ग्लू से किया गया हो ;
- (vi) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी अभिधान की इमली (बीज वाली) होगी। उसी लाट या बैच की श्रेणीकृत सामग्री और श्रेणी अभिधान वाले इमली (बीज वाली) की उपयुक्त संख्या या छोटे पैकेटों को जूट की थैलियों, लकड़ी के बक्सों, गत्तों के कार्टनों आदि जैसे मास्टर आधानों में, मास्टर आधानों पर थ्योरों के साथ पैक किया जा सकेगा।
- (vii) इमली (बीज वाली) को, समय-समय पर जारी कृषि विपणन सलाहकार अनुदेशों के अनुसार पैकेटों के आकारों में पैक किया जाएगा।

7. चिन्हांकन की पद्धति और लेबल लगाना-(1) श्रेणी अभिधान बिन्दु प्रत्येक आधान में सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा या स्पष्ट और सुपाठ्य रूप में मुद्रित होगा ;

(2) प्रत्येक पैकेज पर श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त, निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य रूप में चिह्नकित होंगी, अर्थात् :-

- (क) वस्तु का नाम ;
- (ख) श्रेणी अभिधान ;
- (ग) पैकर का नाम और पता
- (घ) शुद्ध भार ;
- (ङ) भंडारण स्थिति, यदि कोई हो ;
- (च) उद्गम का देश ;
- (छ) पैकिंग की तारीख\* ;
- (ज) .....के पूर्व उपभोग सर्वोत्तम ;
- (झ) लाट या बैच संख्यांक ;
- (ञ) अधिकतम खुदरा कीमत (जिसके अंतर्गत सभी कर सम्मिलित होंगे) ;
- (ट) कोई अन्य विशिष्टियां जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं ।

(3) पैकेजों पर चिह्नंकन के लिए प्रयुक्त स्याही ऐसी गुणवत्ता वाली होगी जो उत्पाद को संदूषित न करे ।

(4) प्राधिकृत पैकर, भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् श्रेणीकृत पैकेजों पर अपने निजी व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड का उपयोग कर सकेगा परंतु वह इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित गुणवत्ता से भिन्न गुणवत्ता उपदर्शित न करता हो ।

8. हमली (बीज वाली) को निर्यात के लिए क्रेता की अपेक्षाओं के अनुसार श्रेणीकृत और चिह्नंकित किया जा सकेगा परंतु वह सुसंगत अनुसूची में विनिर्दिष्ट न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा करता हो ।

9. प्राधिकार प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए विशेष शर्तें :-

(1) प्रत्येक प्राधिकृत पैकर, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर विहित किए गए सभी अनुदेशों का पालन करेगा ।

\* पैकिंग की तारीख, नमूने का विश्लेषण पूरा होने की तारीख होगी ।

- (2) प्राधिकृत पैकर इमली (बीज वाली) की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1988 के नियम 9 के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित अर्हित रसायनज्ञ द्वारा प्रबंध की जा रही अपनी स्वयं की प्रयोगशाला स्थापित करेगा या राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या उस प्रयोजन के लिए अनुमोदित निजी वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा ;
- (3) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिए परिसरों को पूर्णतः स्वस्थ, स्वास्थ्यप्रद और स्वच्छ स्थितियों में रखा जाएगा । इन क्रियाओं में लगे हुए कार्मिकों का अच्छा स्वास्थ्य होगा और वे किसी संचारी, संसर्गी या संक्रामक रोग से मुक्त होंगे ;
- (4) परिसरों में पक्के फर्श, प्रकाश और वायु के लिए बेहतर संवातन वाली पर्याप्त संस्करण सुविधाएं होंगी और वह कृन्तक और कीटों के आकर्षण से मुक्त होंगे ।

अनुसूची - 1  
{नियम 3 देखिए}

एगमार्क प्रतीक का डिजाइन



वस्तु का नाम.....  
श्रेणी.....

3281 GI/08-2

## अनुसूची 2

(नियम 4 और 5 देखिए)

## इमली (बीज वाली) का श्रेणी अभिधान और गुणवत्ता

1. इमली (बीज वाली) को टैमरीडस इंडिका एल से, पूर्णरूप से तैयार और पके हुए फलों से बाहरी छिलके को हटाने के पश्चात् प्राप्त किया जाएगा ।

## 2. न्यूनतम अपेक्षाएं :-

(i) इमली (बीज वाली) वस्तु के रंग और विशेषताओं वाली होगी ।

(ii) इमली (बीज वाली) :-

(क) पूर्ण रूप से विकसित और पकी हुई होगी ;

(ख) स्वच्छ होगी ;

(ग) हानिकारक पदार्थों से मुक्त होगी ;

(घ) घृणाजन्य गंध से मुक्त होगी ;

(ङ) किसी बाहरी नमी से मुक्त होगी ;

(च) किसी अकार्बनिक वाह्य पदार्थों से मुक्त होगी ।

(iii) इमली (बीज वाली) खमीर स्वाद और फफंदी गंध नहीं देती ।

(iv) इमली (बीज वाली) कीट संदूषण, जीवित या मृत कीटानुओं, फफूंददार कृंतक रेशों और उत्सर्ग, मिश्रित रंजक पदार्थ, धूल या जन्तुओं के कारण किसी अन्य अशुद्धता से मुक्त होगी ।

(v) इमली (बीज वाली) भारों धातुओं, नाशकजीवमारों के अवशिष्ट स्तरों और निर्यात के लिए कोडेक्स एलिमेन्टेरियस आयोग द्वारा अधिकथित अन्य खाद्य सुरक्षा के मापदंडों का अनुपालन करेगी ।

(vi) इमली (बीज वाली) भारों धातुओं, कीटनाशियों और नाशकजीवमारों, फसल संदूषकों, प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाले विषैले पदार्थों के अवशिष्ट स्तरों और खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथाविहित अन्य खाद्य सुरक्षा मापदंडों का अनुपालन करेगी ।

## 3. श्रेणी अभिधान के लिए मानदंड :

	आर्द्रता के द्रव्यमान का प्रतिशत	कुल मसम के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर का प्रतिशत	अम्ल अवशेष मसम के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर प्रतिशत	कच्चे तंतु के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर प्रतिशत	नष्ट कलियों के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर प्रतिशत	बीज मात्रा के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर प्रतिशत	कार्बनिक वाह्य पदार्थ के द्रव्यमान का शुष्क आधार पर प्रतिशत
	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)
1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष	18.0	4.0	0.5	7.0	1.0	30	1.0
मानक	20.0	5.0	0.75	8.0	2.0	35	3.0
साधारण	22.0	6.0	1.0	9.0	3.0	40	5.0

## 4. अन्य अपेक्षाएं :-

इमली (बीज वाली) की दशा ऐसी होगी जिससे कि वह निम्नलिखित के लिए समर्थ हो सके :

- (i) परिवहन और हथालन को सहन करने के लिए और
- (ii) यंतिय स्थान पर समाधानप्रद दशा में पहुंचने के लिए ।
- (iii) टार्टरिक अम्ल अंतर्दस्तुओं को पैकेजों पर नलिखित किया जाएगा ।

## स्पष्टीकरण :

- (i) कार्बनिक बाह्य पदार्थ के अंतर्गत इमली की फलियों और उसके बीजों से भिन्न पौधों के वनस्पति पदार्थ हैं ।
- (ii) अकार्बनिक बाह्य पदार्थ के अंतर्गत रेत, कंकड़, रोड़े, मिट्टी के ढेले, चिकनी मिट्टी, कीचड़ आदि हैं ।
- (iii) क्षतिग्रस्त फलियों से कीट द्वारा क्षतिग्रस्त और ऐसी फलियां अमिश्रित हैं जो गूदा रहित हैं ।

[फा. सं. 18011/23/2007-एम-III]

जिजि थॉमसन, संयुक्त सचिव (विपणन)

**MINISTRY OF AGRICULTURE**  
(Department of Agriculture and Co-operation)  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th August, 2008

**G.S.R. 628(E).**—Whereas the draft of Tamarind (with seed) Grading and Marking Rules, 2007, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) was published vide notification vide G.S.R. 268 dated 8<sup>th</sup> December, 2007 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty five days from the date on which copies of the said notification published in the Gazette of India were made available to the public.

And whereas copies of the said notification were made available to the public on 8<sup>th</sup> January, 2008. And whereas the objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have been duly considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

## RULES

1. **Short title, application and commencement.**- (1) These rules may be called the Tamarind (with seed) Grading and Marking Rules, 2008.  
  - (2) They shall apply to Tamarind (with seed) obtained from *Tamarindus indica* L. of family *Leguminosae*.
  - (3) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. **Definitions:** - In these rules, unless the context otherwise requires,-
  - (a) "Agricultural marketing adviser" means the agricultural marketing adviser to the Government of India;
  - (b) "authorised packer" means a person or body of persons who has been granted the certificate of authorization to grade and mark Tamarind(with seed) in accordance with the grade standards and procedure prescribed under these rules;
  - (c) "certificate of authorisation" means a certificate issued under the provisions of General Grading and Marking Rules, 1988 authorising a person or a body of persons to grade and mark Tamarind(with seed) with the grade designation mark;
  - (d) "General Grading and Marking Rules" means the General Grading and Marking Rules, 1988 made under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937);
  - (e) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.
3. **Grade designation mark:** - The grade designation mark shall consist of "AGMARK INSIGNIA" consisting of a design incorporating the certificate of authorization number, the word "AGMARK", name of commodity and grade designation resembling the one as set out in Schedule I.
4. **Grade designation:-** The grade designation to indicate the quality of Tamarind (with seed) shall be as set out in column I of Schedule II.
5. **Quality-** The quality of Tamarind (with seed) shall be as set out in against each grade designation in columns 2 to 8 of Schedule II.



**6. Method of packing.-**

- (i) Tamarind (with seed) shall be packed only in sound, clean and dry containers made of jute or cloth with suitable inner lining of food grade material, laminated polyethylene or poly propylene or high density polyethylene bags, pouches or any other packaging material duly approved by the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorized by him in this behalf.
- (ii) the container shall be free from any insect infestation or fungal contamination and also free from any undesirable or obnoxious smell.
- (iii) Tamarind (with seed) shall be packed in such a way as to protect the produce properly. The container shall be securely closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorized by him in this behalf.
- (iv) the materials used inside the package must be clean and of such a quality as to avoid causing any external or internal damage to the produce.
- (v) the use of materials particularly of paper or stamps bearing trade specifications is permitted provided the printing or labeling has been done with non toxic ink or glue.
- (vi) each package shall contain Tamarind (with seed) of one grade designation only. Suitable number or small packets of Tamarind (with seed) containing graded material of the same lot or batch and grade designation may be packed in a master container such as jute bags, wooden cases, cardboard cartons etc., with details on master containers;
- (vii) the Tamarind (with seed) shall be packed in the pack sizes as per instructions of Agricultural Marketing Adviser issued from time to time.

**7. Method of Marking and Labeling. - (1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed on each container.**

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each package, namely:-

- (a) Name of the commodity;
- (b) grade designation;
- (c) name and address of the packer;
- (d) net Weight;
- (e) storage condition, if any;
- (f) country of origin;
- (g) date of packing; \*

\* The date of packing shall be the date of completion of the analysis of the sample.

- (h) best before date;
  - (i) lot or Batch number;
  - (j) maximum retail price (inclusive of all taxes);
  - (k) any other particulars as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser.
- (3) The ink used for marking on packages shall be of such quality which may not contaminate the product;
- (4) The authorized packer may after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf, use his private mark or trade brand on the graded packages provided that the same do not indicate quality other than indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these Rules.
8. Tamarind (with seed) may be graded and marked as per buyer's requirements for export provided minimum requirements and quality specified in the relevant Schedule are met under non-specified grade.
9. **Special conditions for grant of certificate of authorization:-**
- (1) In addition to the conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, every authorized packer shall follow all instructions prescribed by Agricultural Marketing Adviser from time to time.
  - (2) The authorized packer shall either set up his own laboratory manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorized by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988 for testing the quality of Tamarind(with seed) or has access to the State Grading Laboratory or Private Commercial Laboratory approved for the purpose.
  - (3) The premises for processing, grading and packing shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions. The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any infectious, contagious or communicable diseases.
  - (4) The premises shall have adequate storage facilities with pucca floor, good ventilation for light and air and free from rodent and insect infestation.

## SCHEDULE - I

{See rule - 3}

## DESIGN OF THE AGMARK INSIGNIA



Name of the Commodity.....

Grade.....

## SCHEDULE - II

(See rules 4 and 5)

## Grade designation and quality of Tamarind (with seed)

1. Tamarind (with seed) shall be obtained from *Tamarindus indica* L. after removal of outer covering from the mature and ripe fruits.

**2. MINIMUM REQUIREMENTS:-**

- (i) Tamarind (with seed) shall have the colour and characteristics of the commodity.
- (ii) Tamarind (with seed) shall be,-
  - (a) matured and ripe;
  - (b) clean;
  - (c) free from deleterious substances;
  - (d) free from obnoxious odour;
  - (e) free from any external moisture;
  - (f) free from any inorganic extraneous matters.
- (iii) Tamarind (with seed) shall not give rancid taste and musty odour.

- (iv) Tamarind (with seed) shall be free from insect infestation, live or dead insects, mould growth rodent hair and excreta, added colouring matter, dirt or any other impurities of animal origin.
- (v) Tamarind (with seed) shall comply with residual levels of heavy metals, pesticides and other food safety parameters laid down by the Codex Alimentarius Commission for exports.
- (vi) Tamarind (with seed) shall comply with residual levels of heavy metals, insecticides and pesticides, crop contaminants, naturally occurring toxic substances and other food safety parameters as prescribed under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

### 3. Criteria for grade designation:

	Moisture Content, per cent by mass	Total Ash, per cent By mass on dry basis	Acid insoluble ash, per cent by mass on dry basis	Crude fibre, per cent by mass on dry basis	Damaged Pods, per cent by mass on dry basis	Seed content, per cent age by mass on dry basis	Organic Extraneous matter, per cent by mass on dry basis
	Maximum	Maximum	Maximum	Maximum	Maximum	Maximum	Maximum
1	2	3	4	5	6	7	8
Special	18.0	4.0	0.5	7.0	1.0	30	1.0
Standard	20.0	5.0	0.75	8.0	2.0	35	3.0
General	22.0	6.0	1.0	9.0	3.0	40	5.0

### 4. OTHER REQUIREMENTS:

The condition of the Tamarind (with seed) shall be such as to enable them:

- (i) to withstand transport and handling and
- (ii) to arrive in satisfactory condition at the place of destination.
- (iii) Tartaric Acid contents shall be mentioned on the packages.

#### Explanations:

- (i) Organic extraneous matter consists of vegetable matters of the plants other than the Tamarind pods and its seeds.
- (ii) Inorganic extraneous matter consists of sand, stones, pebbles, lumps of earth, clay, mud, etc.
- (iii) Damaged pods means insect damaged pods and those which are devoid of pulp.

[F. No. 18011/23/2007-M-III]

JJI THOMSON, Jt. Secy. (Marketing)